Subject Political Science

MON TUE WED THR FRI SAT SUN

एकात्मक संघात्मक शासन व्यवस्था

एकात्मक व्यवस्था

यह वह शासन व्यवस्था है जिसमें संविधान द्वारा शासन की समस्त शक्ति केन्द्र में निहित कर दी जाती है तथा स्थानीय सरकारों की शक्तियां एवं उनका अस्तित्व पूरी तरह केन्द्र सरकार की इच्छा पर निर्भर होता है। इस तरह की शासन व्यवस्था को परिभाषित करते हुए डॉ. फाइनर ने लिखा है कि- "एकात्मक राज्य वह है जिसमें शासन सत्ता एक व्यक्ति, एक केन्द्र में निहित रहती है और जिनकी इच्छा एवं जिसके अधिकारी समस्त क्षेत्र पर कानूनी दृष्टि से सर्वशक्तिमान होते हैं।"

विशेषताएँ

⇒ इस व्यवस्था में संविधान द्वारा समस्त शक्तियों का केन्द्रीकरण होता है।
⇒ प्रांतीय या स्थानीय सरकारों के पास उनकी स्वयं की शक्ति नहीं होती है बल्कि शक्तियों के लिए ये पूरी तरह केन्द्र पर निर्भर होते हैं।
⇒ एकात्मक शासन प्रणाली वाले राज्यों में सामन्यतया इकहरी नागरिकता का प्रावधान होता है। यद्यपि कि यह अपरिहार्य नहीं होता है।

एकात्मक शासन के गुण

एकात्मक शासन के कुछ गुण होते हैं जो निम्नलिखित हैं:-
⇒ इस तरह की शासन व्यवस्था वाले राज्यों में कानूनों की एकरूपता होती है जो कि राज्य की उन्नति एवं प्रशासनिक कुशलता के लिए आवश्यक है।
⇒ इस व्यवस्था में शक्ति का केन्द्रीकरण होने के कारण जनता का हित साधन अधिक होता है तथा यह सरकार अत्यंत ही उत्तरदायी तरीके से कार्य करती है।
⇒ वैदेशिक संबंधों के संचालन की दृष्टि से यह व्यवस्था अत्याधिक उपयुक्त होती है।

Scanned with CamScanner

study time

Subject

Date.: __/__/__

MON TUE WED THR FRI SAT SUN

⇒ युद्ध तथा आर्थिक संकट के समय में यह सरकार अधिकारपूर्ण तरीके से तथा अत्यधिक तत्परता से कार्य करती है।

⇒ एकात्मक शासन व्यवस्था में केन्द्रीय एवं प्रांतीय इन दोनों स्तरों पर कर्मचारियों की नियुक्ति की आवश्यकता नहीं होती है इस प्रकार यह व्यवस्था मितव्ययी है।

एकात्मक शासन के दोष

इस शासन व्यवस्था के कुछ दोष भी हैं जो निम्नलिखित हैं-

⇒ एकात्मक शासन व्यवस्था मे चूंकि समस्त शक्तियां केन्द्र में निर्भर होने के कारण यह डर रहता है कि सरकार कहीं निरंकुश न हो जाये।

⇒ एकात्मक शासन व्यवस्था में प्रांतीय तथा क्षेत्रीय सरकारों का अभाव होता है। स्थानीय नीतियों एवं कार्यक्रमों का उत्तरदायित्व केन्द्र सरकार पर होने के कारण एक प्रकार की प्रभावहीनता का जन्म होता है।

⇒ चूंकि इस व्यवस्था में सब कुछ केन्द्र द्वारा प्रायोजित एवं संचालित होता है इसलिए स्थानीय समस्याओं का निराकरण यथेष्ठ ढंग से नहीं हो पाता है।

⇒ एकात्मक शासन प्रणाली राजनीतिक शिक्षा प्रणाली के दृष्टिकोण से उचित नहीं होती है। इसमें स्थानीय स्तर पर लोगों की राजनीतिक चेतना जागृत नहीं होती है।

⇒ विविधता वाले देशों के लिए एकात्मक शासन प्रणाली उपयुक्त नहीं होती है।

इस प्रकार हम देखते हैं कि विभिन्न प्रकार के दोष होते हुए भी यह शासन प्रणाली कुछ मायने मे अच्छी है लेकिन वर्तमान समय के वृहद एवं विविधता से परिपूर्ण राज्यों के लिए यह पूरी तरह से उपयुक्त नहीं है।

Scanned with CamScanner